प्रेस विज्ञप्ति

हिन्दुस्तान कॉलेज में एकेटीयू द्वारा प्रायोजित 'रिन्यूऐवल एनर्जी रिसोर्सेस' पर प्रशिक्षण कार्यशाला

- सीनियर प्रोजेक्ट अधिकारी, **U.P.-NEDA** आगरा से श्री भारत भूषण का प्रथम सत्र में विशेषज्ञ व्याख्यान
- एम.एन.आई.टी, इलाहाबाद क पूर्व प्रोफेसर (डॉ.) एस. के. अग्रवाल का द्वितीय सत्र विषय विशेष व्याख्यान

शारदा ग्रुप के प्रतिष्ठित संस्थान हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलोजी में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रावधिक विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा प्रायोजित ऑटोमोबाइल विभाग में 'रिन्यूऐबल एनर्जी रिसोर्सेस', पर 6 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के पंचम दिवस सीनियर प्रोजेक्ट अधिकारी, **U.P.-NEDA** आगरा से श्री भारत भूषण एवं एम.एन.आई.टी, इलाहाबाद के पूर्व प्रोफेसर (डॉ.) एस. के. अग्रवाल ने दिया विशेष व्याख्यान।

सर्वप्रथम मकैनीकल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पुनीत मंगला एवं कार्यशाला के समन्वयक डॉ. निशांत कुमार सिंह ने ''रिन्यूऐबल एनर्जी रिसोर्सेस'' की कार्यशाला में व्याख्यान कर्ता विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों के साथ–साथ मुख्य विषयों जिन पर कार्यशाला में चर्चा होनी है पर संक्षिप्त विवरण दिया।

संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव कुमार उपाध्याय ने आज के विषय विशेषज्ञ श्री भारत भूषण एवं प्रोफेसर एस.के. अग्रवाल का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन एवं स्वागत किया और प्रतिभागियों से उम्मीद की कि वो रिन्यूऐवल एनर्जी रिसोर्सेस के क्षेत्र में इनके निजी अनुभव लाभ उठाकर अपने शिष्यों को इस विषय में पारंगत करने में सक्षम होंगे।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में सोलर पावर प्लांट एवं बायोगैस प्लांट के स्थापन सम्बन्ध में प्रयोगात्मक तरीके से जानकारी दी साथ ही सोलर पावर प्लांट एवं बायोगैस प्लांट के स्थापन से लेकर रखरखाव, संचालन की विस्तृत जानकारी कार्यशाला में आये प्रतिभागियों को दी और इसके अलावा सरकार द्वारा चालये जाने वाली कई महत्वपूर्ण योजनाओं और उनके लाभ के बारे में काफी विस्तृत तौर पर प्रतिभागियों को जानकारी दी। इस पक्ष में सभी आर्थिक आंकड़े एवं सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी के बारे में भी चर्चा की । श्री भूषण ने अपने प्रयोगात्मक अनुभवों को सभी आगुंतकों को अवगत कराया।

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में डॉ. एस.के. अग्रवाल ने स्थिरता विषय पर विशेष व्याख्यान दिया और प्रतिभागियों को बताया कि मानव जीवन के लिए जल, ऊर्जा दानों की बचत बहुत आवश्यक है जो कि विश्व के स्थिरता के लिए परम आवश्यक है। डॉ. अग्रवाल ने स्थिरता के तीन मूलभूत घटक पर्यावरण, अर्थ व्यवस्था, सामाजिकता के समायोजन पर विशेष बल दिया और बताया कि वर्तमान में औसत भूमि अधिग्रहण प्रतिव्यक्ति 15.7 हेक्टेयर है जो कि विगत वर्षों में 21.1 हेक्टेयर प्रतिव्यक्ति हुआ करता था इसलिए यह हमारे हित में नहीं है। व्याख्यान में पवन ऊर्जा के उपयोग पर भी प्रकाश डाला जिसका भारत वर्ष में 20 हजार मेगावॉट ऊर्जा उत्पादन करने की दक्षता रखता है साथ ही सोलर फोटो बोलटॉइक की उपयोगिता के साथ–साथ सोलर थर्मल उपयोगिता पर भी जोर दिया। इसके अलावा सौर ऊर्जा के क्षेत्र में नई तकनीक के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की।

इस अवसर पर ऑटोमोबाल इंजीनियरिंग और मकैनीकल इंजीनियरिंग विभाग के समस्त शिक्षकगण एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।